TANTRA GRANTHAMALA No. 9

Narada Pancharatra

Text with Hindi Translation by

RAM KUMAR RAI

Prachya Prakashan

Varanasi-221002

1985

विषय-सूची

प्रथम रात्र

अध्याय	पृष्ठ
प्रथमोऽध्याय : व्यास और शुकदेव का संवाद	१
द्वितीयोऽध्याय : श्रीकृष्ण-नैवेद्य का माहात्म्य	१४
तृतीयोऽध्याय : श्रीकृष्ण माहात्म्य	२७
चतुर्थोऽध्याय : ब्रह्म-नारद संवाद	४०
पञ्चमोऽध्याय : शिव-नारद संवाद	५४
षष्ठोऽध्याय : लोमश-नारद संवाद	६०
सप्तमोऽध्याय : नारद का कैलासागमन और गणेश स्तुति	७१
अष्टमोऽध्याय : नारद का कैलास वास	८५
नवमोऽध्याय : नारद को कृष्ण-मन्त्र की दीक्षा	६१
दशमोऽध्याय : श्रीकृष्ण महोत्सव	६८
एकादशोऽध्याय : श्रीकृष्ण महोत्सव	११२
द्वादशोऽध्याय : गन्धर्व कृत स्तोत्र	११८
त्रयोदशोऽध्याय : गन्धर्व देह से नारद की मुक्ति	१३१
चतुर्दशोऽध्याय : गणिकाओं आदि की उत्पत्ति	१३७
पञ्चदशोऽध्याय : ज्ञानोपदेश।	१५५

द्वितीय रात्र

अध्याय	पृष्ठ
प्रथमोऽध्याय : ज्ञानामृत	१६०
द्वितीयोऽध्याय : भक्तिज्ञान	१६८
तृतीयोऽध्याय : भक्तिज्ञान और मन्त्र	१८३
चतुर्थोऽध्याय : हरिभक्ति के प्रसंग में राधा माहात्म्य	२००

अध्याय	पृष्ठ
पञ्चमोऽध्याय : राधा कवच	२१०
षष्ठोऽध्याय : राधा माहात्म्य	२२१
सप्तमोऽध्याय : मुक्ति	२२७
अष्टमोऽध्याय : योगकथन।	२३६

तृतीय रात्र

प्रथमोऽध्याय : स्नानादि, पूजा और मन्त्रक्रिया	२४३
द्वितीयोऽध्याय : भुवनमय शक्तियाँ	२५०
तृतीयोऽध्याय : महामन्त्र	२६१
चतुर्थोऽध्याय : न्यासादि	२६८
पञ्चमोऽध्याय : वृन्दावन-स्मरण और मन्त्र पूजा	२७७
षष्ठोऽध्याय : सामीप्य मुक्ति	२८७
सप्तमोऽध्याय : सर्वश्रेष्ठ दो मन्त्रों की विवेचना	२९२
अष्टमोऽध्याय : पूजा विधि	३००
नवमोऽध्याय : होम	३०५
दशमोऽध्याय : श्रीकृष्ण सेवा	३१०
एकादशोऽध्याय : श्रीकृष्ण की सेवा का फल	३१६
द्वादशोऽध्याय : रात्रिकालीन श्रीकृष्ण सेवा	३२२
त्रयोदशोऽध्याय : श्रीकृष्ण की पूजा का फल	३२६
चतुर्दशोऽध्याय : उपरोक्त दो मन्त्रों के प्रयोग	३३२
पञ्चदशोऽध्याय : विभिन्न विषय।	३४६

चतुर्थ रात्र

प्रथमोऽध्याय : उमा-महेश्वर संवाद	३५८
द्वितीयोऽध्याय : पार्वती-शिव संवाद	३६४
तृतीयोऽध्याय : विष्णु सहस्रनाम	३७०

अध्याय	पृष्ठ
चतुर्थोऽध्याय : बिणु स्तोत्र और कवच	३९३
पञ्चमोऽध्याय : त्रैलोक्यमङ्गल कवच	३९६
षष्ठोऽध्याय : गोपाल स्तोत्र	४०१
सप्तमोऽध्याय : गोपाल कवच	४०३
अष्टमोऽध्याय : गोपाल सहस्रनाम	४०६
नवमोऽध्याय : पूजा के उपकरण	४२३
दशमोऽध्याय : चतुर्धा पूजा	४२६
एकादशोऽध्याय : द्वादश शुद्धि।	४३०
पञ्चम रात्र	
प्रथमोऽध्याय : श्रीकृष्ण मन्त्र	४३५
द्वितीयोऽध्याय : मुद्राकथन	४५१
तृतीयोऽध्याय : सप्तधा पूजा	४६२
चतुर्थोऽध्याय : पूजा माहात्म्य	४७०
पञ्चमोऽध्याय : राधा सहस्रनाम	४७७
षष्ठोऽध्याय : राधा सहस्रनाम-माहात्म्य	४९३
सप्तमोऽध्याय : राधा कवच	४९७
अष्टमोऽध्याय : नाममन्त्र कथन	५०१
नवमोऽध्याय : राधा मन्त्र	५०६
दशमोऽध्याय : योग-धारणा	५१०
एकादशोऽध्याय : योगकथन (शारदा तिलक से)।	५१८